www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 309 | जौनपुर मंगलवार, 30 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस पर भाजपा नेताओं ने दोहराई लोकतांत्रिक मूल्यों और जनकल्याण की प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य भाजपा नेताओं ने बधाई दी है। इसके साथ ही संसदीय दिवस को लोकतंत्र की सशक्त नींव, जनप्रतिनिधित्व की गरिमा और जनसेवा के सर्वोच्च मूल्यों को समर्पित बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा, "संसदीय लोकतंत्र जन–प्रतिनिधित्व, संवाद और जनभागीदारी की मजबूत नींव पर आधारित है। अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का अवसर है। राष्ट्र निर्माण में समर्पित सभी जनप्रतिनिधियों को हार्दिक शुभकामनाएं। संसदीय मर्यादाओं के पालन और जन–आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं।" राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, "लोकतंत्र के सजग प्रहरी, जन–आकांक्षाओं के केंद्र और नीति–निर्माण के मुख्य स्तंभ संसद के महत्व को रेखांकित करते अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और जन–कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं।" बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, "आप सभी को अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मेघालय की आर्थिक प्रगति का आधार बनेगी उद्यमिता – सीएम कॉनराड संगमा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने मंगलवार को कहा कि उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) सतत आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की बुनियाद है। उन्होंने राज्य सरकार के 'अचीवर्स ऑफ द मंथ' कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को सम्मानित करना और अधिक से अधिक लोगों को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। शिलांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी ऐसी नीतियां, बुनियादी ढांचा और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराना है, जिससे उद्यमियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो सके। हालांकि, वास्तविक आर्थिक प्रगति उद्यमियों के प्रयासों से ही संभव होती है। उन्होंने कहा, "सरकार आधार तैयार करती है, लेकिन अर्थव्यवस्था को गति देने का काम उद्यमिता करती है।" उन्होंने इसे दीर्घकालिक आर्थिक विकास और टिकाऊ आजीविका का सबसे मजबूत आधार बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाले लोग अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा करेंगे ।

संकल्प, विचार और मन एक हों तो सफलता तय : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर संस्कृत सुभाषित शेयर किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा, ष्जब हमारे संकल्प, विचार और मन की भावनाएं एक होती हैं, तब हर कार्य सफल होता है। आइए, एकजुटता के साथ आगे बढ़ें और मिलकर भारतवर्ष के हर लक्ष्य को हासिल करें। पीएम ने संस्कृत श्लोक समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनःसमानेन वो हविषा जुहोमि भी साझा किया है। जिसका हिंदी अर्थ है कि हमारे संकल्प समान हों, हमारी सभा एक हो और हमारे हृदय तथा विचारों में पूर्णतः समानता हो। इसी एकता के भाव से मैं आहुति अर्पित करता हूं, जिससे हम मिलकर कार्य करें और सफलता प्राप्त करें।? बीते दिन सोमवार को प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा था, दुनिया की अलग–अलग संस्कृतियों का सम्मान करने से लोगों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना बढ़ती है। इससे आपसी समझ और भाईचारा और मजबूत होता है। साझा किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और सामाजिक नियमों को समझने वाले व्यक्ति में उचित–अनुचित का विवेक विकसित हो जाता है। ऐसा व्यक्ति जहां भी जाता है, वहां सम्मान प्राप्त करता है और श्रेष्ठजनों के बीच अपना प्रभाव स्थापित करता है। इससे पहले 26 जून को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर सुभाषित शेयर किया था। उन्होंने संस्कृत श्लोक साझा किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि हम सब साथ मिलकर चलें, एक सुर में बोलें और हमारे मन व विचार एक हों। जिस प्रकार प्राचीनकाल में देवता एकमत होकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते थे, ठीक उसी तरह हमें भी हमेशा एकता और सौहार्द के साथ कार्य करना चाहिए।

भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम के वैश्विक स्तर पर विस्तार – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब ग्रीस में भी शुरू हो गया है, जिससे योग्य ग्राहक अब तुरंत, सुरक्षित और आसान तरीके से पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके साथ ही, लेनदेन की लागत भी पारंपरिक तरीकों की तुलना में काफी कम हो जाएगी। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दुनिया भर में यूपीआई को मिल रही स्वीकृति और सराहना इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तकनीक–आधारित समाधानों की सोच पर दुनिया भरोसा कर रही है। उन्होंने कहा कि ये समाधान सीमाओं से परे जाकर मूल्य सृजित कर रहे हैं और साझा विकास व समृद्धि के लिए वैश्विक साझेदारी को मजबूत बना रहे हैं। ग्रीस दौरे के दौरान पीयूष गोयल ने यूरोबैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) फोकियन करावियास से मुलाकात की और भारत–ग्रीस आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। गोयल ने कहा, "हमने ग्रीक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया और ग्रीस में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तथा बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार–विमर्श किया।" केंद्रीय मंत्री ने एथेंस स्थित यूरोबैंक मुख्यालय में यूरोबैंक और एनआईपीएल (एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड) की साझेदारी के तहत यूपीआई सेवा का लाइव प्रदर्शन भी देखा। इस दौरान यूरोबैंक के सीईओ फोकियन करावियास और फेयरफैक्स डिजिटल सर्विसेज के सीईओ संजय तुगनैत भी मौजूद रहे।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त मंत्री को सौंपा 9,400 करोड़ रुपए से अधिक का डिविडेंड

नई दिल्ली, (एजेंसी)।सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने सोमवार को वित्त वर्ष 2025–26 के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 9,400 करोड़ रुपए से अधिक के डिविडेंड के चेक सौंपे। मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और बेहतर लाभप्रदता के चलते बैंकों ने सरकार को यह डिविडेंड दिया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने सबसे अधिक 2,811 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक वित्त मंत्री को सौंपा। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. देबदत्त चंद ने वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया और बैंक के कार्यकारी निदेशकों की उपस्थिति में यह चेक सौंपा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025–26 में अब तक का सर्वाधिक 20,021 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया। यह पहला अवसर है जब बैंक का वार्षिक शुद्ध लाभ 20,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया। इसके अलावा 31 मार्च 2026 तक बैंक का कुल वैश्विक कारोबार 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया। बैंक ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 2 रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 8.50 रुपए यानी 425: डिविडेंड घोषित किया है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त मंत्री को 2,416 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक सौंपा। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक चंद्र ने यह चेक वित्त मंत्री को प्रदान किया। केनरा बैंक ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 2,397 करोड़ रुपए का डिविडेंड दिया।

रामभक्तों पर गोली चलाने वाले आज आस्था की बात कर रहे : सीएम योगी

रामपुर, (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के मुद्दे पर जारी सियासी घमासान के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। रामपुर में 690 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे और जय श्रीराम के नारों का विरोध करते थे, वही आज आस्था की दुहाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रामपुर के शाहबाद में करीब 690 करोड़ रुपए की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों का उल्लेख करने के साथ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर राजनीतिक, सांस्कृतिक और कानून–व्यवस्था के मुद्दों को लेकर तीखे प्रहार किए। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर जारी राजनीतिक विवाद का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज वही लोग भगवान राम की भक्ति और आस्था की बात कर रहे हैं, जिन्होंने पहले रामभक्तों पर लाठियां और गोलियां चलवाई थीं। उन्होंने कहा, ष्2017 से पहले जब रामभक्त श्रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगेश का नारा लगाते थे, तब उन पर गोलियां चलाई जाती थीं। श्जय श्रीरामश बोलने वालों पर लाठियां बरसाई जाती थीं। आज वही लोग आस्था की दुहाई दे रहे हैं। यह जनता की ताकत है कि उन्हें अपना रुख बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा।ष मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण के अस्तित्व पर सवाल उठाए जाते थे, लेकिन आज अयोध्या जाने की होड़ लगी हुई है। प्रभु श्रीराम सबके हैं और जनता सब कुछ देख रही है। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश पहचान के संकट से जूझ रहा था। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, व्यापारी भय में जीते थे, किसान परेशान थे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 105 सैन्य अधिकारियों और कर्मियों को विशिष्ट सेवा अलंकरण से किया सम्मानित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह–2026 (द्वितीय चरण) में सशस्त्र सेनाओं और भारतीय तटरक्षक बल के 105 अधिकारियों एवं कर्मियों को विशिष्ट सेवा अलंकरण प्रदान किए। इन सम्मानों में 7 सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक, 30 परम विशिष्ट सेवा पदक, 12 उत्तम युद्ध सेवा पदक और 56 अति विशिष्ट सेवा पदक शामिल हैं। ये सम्मान शांति एवं परिचालन दोनों परिस्थितियों में असाधारण नेतृत्व, उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किए गए। समारोह में थल सेना, नौसेना, वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों को उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अति विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त करने वालों में एयर मार्शल तरुण चौधरी, लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वर्ष्णेय, लेफ्टिनेंट जनरल विकास रोहेला, लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंड्रा, लेफ्टिनेंट जनरल मोहिंदर पाल सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल रणजीत सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क, लेफ्टिनेंट जनरल आदित्य विक्रम सिंह राठी, लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह और लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा शामिल हैं। नौसेना से वाइस एडमिरल आनंद वाई. सरदेसाई, वाइस एडमिरल रजत कपूर, वाइस एडमिरल श्रीनिवास कुदारावल्ली, वाइस एडमिरल सुशील मेनन और वाइस एडमिरल अनिल जग्गी को अति विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया। वायु सेना के एयर मार्शल मेहताब सिंह देसवाल, एयर मार्शल के.ए.ए. संजीब और एयर मार्शल एस. श्रीनिवास राव को भी इस सम्मान से अलंकृत किया गया। भारतीय तटरक्षक बल के अतिरिक्त महानिदेशक डॉनी माइकल को भी अति विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया। मेजर जनरल स्तर के अधिकारियों में सुधीर कुमार शर्मा, सुजीत शिवाजी पाटिल, गुरप्रीत सिंह चौधरी, आशीष शाह, विवेक नारंग, परनवीर सिंह पुनिया, अरिदम साहा और महिपाल सिंह राठौड़ सहित कई अधिकारियों को अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

ऐसे राक्षसों को रोकने के लिए समय पर न्याय जरूरी, पुणे नाबालिग केस पर महाराष्ट्र सीएम

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को पुलिस विभाग और न्यायपालिका की कार्यकुशलता की सराहना की। यह टिप्पणी उस समय आई जब एक फास्ट–ट्रैक अदालत ने 65 वर्षीय भीमराव प्रभाकर कांबले को पुणे जिले के भोर तालुका के नसरापुर में साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई।उन्होंने कहा कि 29 जून को अदालत ने मौत की सजा सुनाई। केवल 29 दिनों में 55 गवाहों की जांच कर दोषसिद्धि हासिल करना एक असाधारण उपलब्धि है। सीएम फडणवीस ने विशेष फास्ट–ट्रैक अदालत का आभार जताते हुए कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक की प्रक्रिया पुलिस के हाथ में थी, लेकिन उसके बाद पूरा मामला न्यायपालिका के पास आ गया। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश एस. आर. सालुंखे ने लगातार सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी निजी छुट्टियां भी रद्द कर दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे राक्षसों में डर पैदा करने और उन्हें रोकने के लिए समय पर न्याय बहुत जरूरी है। इस मामले में न्यायपालिका ने एक नया उदाहरण पेश किया है।फडणवीस ने पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल और उनकी टीम की भी सराहना की। उन्होंने कहा पुलिस द्वारा जुटाए गए मजबूत सबूतों के कारण ही यह सजा संभव हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे अपराध कभी न हों, लेकिन यदि होते हैं तो कानून अपराधियों को बहुत जल्दी सजा दे सकता है। भले ही पीड़ित परिवार का दुख कम नहीं किया जा सकता, लेकिन उन्हें यह जानकर कुछ सांत्वना मिल सकती है कि अदालत ने कड़ी सजा दी है।

आखिरकार अयोध्या में 17 वर्षों से तैनात आरएमओ अर्जुन देव का हुआ तबादला,गोरखपुर किए गए रवाना'

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के बीच लंबे समय से अयोध्या में तैनात वायरलेस विभाग के रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर अर्जुन देव का तबादला कर उन्हें गोरखपुर भेज दिया गया है। अर्जुन देव वर्ष 2009 से अयोध्या में तैनात थे और पिछले करीब 17 वर्षों में उनका कई बार तबादला हुआ, लेकिन हर बार वह स्थानांतरण रुकवाने में सफल रहे थे।बताया जा रहा है कि अर्जुन देव राम मंदिर परिसर के वायरलेस सिस्टम और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था के प्रभारी थे। मंदिर के सीसीटीवी कंट्रोल रूम की मॉनिटरिंग के साथ–साथ उस काउंटिंग रूम की निगरानी की जिम्मेदारी भी उनके पास थी, जहां दान की राशि की गिनती होती थी। इसी काउंटिंग व्यवस्था में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था। एसआईटी जांच रिपोर्ट में अर्जुन देव की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार,वह अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर ट्रस्ट के विभिन्न कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते थे।जांच में यह भी उल्लेख किया गया कि उनका दखल केवल सुरक्षा और वायरलेस व्यवस्था तक सीमित नहीं था, बल्कि वीवीआईपी दर्शन की व्यवस्था और मंदिर प्रबंधन से जुड़े कई कार्यों तक फैला हुआ था। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के साथ–साथ अर्जुन देव की भूमिका और मंदिर व्यवस्था में उनके बढ़े हुए हस्तक्षेप पर भी सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों से निकटता के कारण उनका पूर्व में जारी स्थानांतरण आदेश भी निरस्त हो चुका था।हालांकि,अब उन्हें अयोध्या से कार्यमुक्त कर गोरखपुर के लिए रवाना कर दिया गया है।इस तबादले को राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच और प्रशासनिक कार्रवाई के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरयू नदी मे स्नान के दौरान तीन महिलाओं की मौत,दो लापता

ब्यूरो चीफ

राजेश कुमार श्रीवास्तव

अयोध्या।मंगलवार को थाना रौनाही क्षेत्र में शाम करीब 4 बजे तीन लड़कियां और दो महिलाएं सरयू नदी में नहाने गई थीं।इसी दौरान सभी गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं।चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद गांव वाले मौके पर पहुंचे और बचाव शुरू किया।लोगों ने तीन महिलाओं को नदी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। दो लड़कियां अभी भी लापता हैं। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।देर शाम तक दोनों लड़कियों का पता नहीं चल सका। मामला रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव का है।एसडीएम सदर अरविंद सोनकर ने बताया कि सरयू नदी में नहाने के दौरान यह हादसा हुआ।रेस्क्यू टीम ने तीन महिलाओं के शव बरामद कर लिए हैं। मृतकों की पहचान मरियम (18) पुत्री असलम निवासी सनाहा, शाहीन (35) पुत्री मुस्तकीम निवासी भुलई का पुरवा और सजरूल निशा (45) पत्नी अकरम निवासी सनाहा के रूप में हुई है।वहीं, नाजिया (16) पुत्री अकरम और रशीदा (15) पुत्री राशिद, दोनों निवासी सनाहा, अभी लापता हैं। उनकी तलाश के लिए नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है।प्रशासन ने बताया कि लापता दोनों लड़कियों की तलाश के लिए रेस्क्यू टीम लगातार काम कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि जब तक दोनों का पता नहीं चल जाता, तब तक तलाश जारी रहेगी।हादसे के बाद प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी, तालाब या किसी भी जलाशय में नहाते समय सावधानी बरतें।खासकर बारिश के मौसम में तेज बहाव और गहरे पानी में जाने से बचें। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ा हादसा कर सकती है।इस घटना की सूचना मिलते ही जहां घटनास्थल पर एसडीएम सोहावल सविता राव एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी सीओ सदर अरविंद सोनकर सहित एसडीआरएफ सहित अन्य बचाव दल के लोग मौजूद रहे वही जिला अस्पताल पर अलकागंज चौकी प्रभारी चंद्र मोहन शुक्ला, महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौड़,प्रिया सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे

संपादकीय

अब कीमत चुकाने का वक्त

अमेरिका का मकसद एआई तकनीक में अपने करीब किसी को ना पहुंचने देना है। इस तरह वह फ्रंटियर एआई मॉडलों को राष्ट्रीय–सुरक्षा संपत्ति में बदल रहा है, जिन्हें अब तक वाणिज्यिक उत्पाद समझा जाता था। अमेरिका ने एंथ्रोपिक कंपनी के दो सबसे उन्नत एआई मॉडलों फेबल–5 और माइथोस–5 तक विदेशी नागरिकों की पहुंच रोक दी है। यह प्रतिबंध न केवल अमेरिका से बाहर मौजूद यूजर्स पर लागू हुआ है, बल्कि अमेरिका–वासी विदेशी नागरिक भी इन मॉडलों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे, जिनमें खुद एंथ्रोपिक कंपनी के विदेशी कर्मचारी भी शामिल हैं। इसे अमेरिका सरकार की प्रतिमान बदल देने वाली कार्रवाई समझा गया है। स्पष्टतरू इसे सिर्फ सेंसरशिप या साइबर सुरक्षा के जाने–पहचाने नजरिए से देखना उचित नहीं होगा। यहां अमेरिका ने प्रतिबंध सिर्फ अपने शत्रु या प्रतिद्वंद्वी देशों पर नहीं, बल्कि तमाम देशों के नागरिकों पर लगाई है, जिसमें उसके सहयोगी और दोस्त देश भी शामिल हैं। इसे रेखांकित किया जाना चाहिए कि एंथ्रोपिक कंपनी को आदेश देते वक्त डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने कारण वैश्विक एआई सुरक्षा को बढ़ावा देना, जिम्मेदार आविष्कार का समर्थन, या खुलापन वाले तकनीकी माहौल का निर्माण– नहीं बताया। बल्कि दो टूक कहा कि मकसद एआई के क्षेत्र में अमेरिका का वैश्विक प्रभुत्व बनाए रखना है। कहा कि ये कार्रवाई सुनिश्चित करेगी कि अमेरिका एआई आविष्कार में सबसे आगे बना रहे। कहा जा सकता है कि अमेरिकी सरकार की यह असामान्य रूप से ईमानदार भाषा है। यह बताती है कि उसके लिए मुद्दा सबसे नई तकनीक में अमेरिकी ताकत के करीब किसी को ना पहुंचने देना है। इस तरह अमेरिका सरकार ने अग्रणी (फ्रंटियर) एआई मॉडलों को राष्ट्रीय–सुरक्षा संपत्ति में बदलने की शुरुआत कर दी है, जिन्हें अब तक वाणिज्यिक उत्पाद समझा जाता था। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों की कंपनियों और संस्थाओं की समझ थी कि वे फीस चुका कर अमेरिका में विकसित हो रही नई तकनीक का फायदा उठाते रह सकेंगे। मगर अब साफ कर दिया गया है कि किस तकनीक की किस हद तक सेवा वे खरीद सकेंगे, यह अमेरिका सरकार तय करेगी। अब यह भारत जैसे देशों को सोचना है कि उनके सामने क्या विकल्प है और अमेरिकी तकनीक के भरोसे चलना कितना मुफीद है? सच यह है कि तकनीक संप्रभुता पर ध्यान देकर भारत ने अपने हितों से समझौता किया है। अब कीमत चुकाने का वक्त है।

मछली पालन बना ग्रामीण विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया आधार

धनंजय राठौर

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ सहायक व्यवसायों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इन्हीं में मछली पालन आज केवल भोजन का स्रोत नहीं, बल्कि लाखों लोगों के लिए रोजगार, आय और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन गया है। कम लागत, कम समय में बेहतर उत्पादन और बाजार में बढ़ती मांग के कारण यह व्यवसाय गांवों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी किसानों से आह्वान किया है कि वे खेती को केवल धान तक सीमित न रखें। दलहन, तिलहन, उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे आयवर्धक व्यवसायों को अपनाएं। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं, जिससे किसानों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार–स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मछली पालन सीमित भूमि और कम पूंजी में शुरू किया जा सकता है। तालाब, जलाशय, नहर और अन्य जल स्रोतों का उपयोग कर किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। बढ़ती आबादी और पौष्टिक भोजन की मांग से मछली की खपत लगातार बढ़ रही है। प्रोटीन, विटामिन और खनिजों से भरपूर मछली स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। मत्स्य पालन में रोजगार के बड़े अवसर मत्स्य पालन न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाता है, बल्कि मत्स्य बीज उत्पादन, आहार निर्माण, परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के बड़े अवसर देता है। राज्य पोषित योजनाओं से बढ़ रही संभावनाएं, शिक्षण एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ सरकार मत्स्य कृषकों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आर्थिक सहायता दे रही है। आधुनिक तकनीकों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण में तालाब प्रबंधन, मत्स्य बीज उत्पादन, रोग नियंत्रण और विपणन की जानकारी दी जाती है। तकनीकी उन्नयन के लिए विशेष प्रशिक्षण भी होते हैं। प्रगतिशील मत्स्य पालकों को राज्य के बाहर सफल मॉडल देखने भेजा जाता है, ताकि वे नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित हों। सहकारी समितियों को अनुदान उत्पादन और विपणन व्यवस्था मजबूत करने के लिए मत्स्य सहकारी समितियों को आर्थिक मदद दी जाती है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को नाव–जाल देकर पारंपरिक मछली पकड़ने को बढ़ावा दिया जा रहा है। आइस बॉक्स, तराजू जैसे उपकरण देकर छोटे मछुआरों को बेहतर बाजार और लाभ दिलाया जा रहा है। स्पॉन संवर्धन व झींगा पालन अनुसूचित जाति– जनजाति वर्ग को स्पॉन संवर्धन और झींगा सह मछली पालन के लिए विशेष सहायता मिल रही है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना दे रही नई उड़ान केंद्र–राज्य सरकार के संयुक्त सहयोग से चल रही इस योजना का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन बढ़ाना, रोजगार सृजन और मछुआरों की आय बढ़ाना है। मत्स्य बीज उत्पादन बढ़ाने और नए तालाब निर्माण के लिए आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। बेहतर वृद्धि के लिए संतुलित आहार, रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (र्क्रस) जैसी वैज्ञानिक पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सजावटी मछली व केज कल्चर मत्स्य पालन के क्षेत्र में सजावटी मछली पालन इकाइयों और जलाशयों में केज कल्चर से स्वरोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। विपणन को मजबूतीरू मत्स्य पालकों को शीत संयंत्र, प्रशीतित वाहन, आइस बॉक्स युक्त मोटरसाइकिल, ई–रिक्शा और लाइव फिश सेंटर से मछलियों की गुणवत्ता बनाए रखकर बेहतर विपणन सुनिश्चित हो रहा है। मछुआरों के लिए सामाजिक सुरक्षा का कवच बचत सह राहत योजनारू मछली पकड़ने की बंद (15 जून से 15 अगस्त तक) अवधि में आर्थिक मदद के लिए केंद्र–राज्य के सहयोग से यह योजना चल रही है। निःशुल्क समूह बीमा योजना मत्स्य पालकों के दुर्घटना, मृत्यु या अपंगता की स्थिति में मछुआरों और उनके परिवारों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है। आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ओर मछली पालन आज ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक आत्मनिर्भरता का अहम माध्यम बन गया है। सरकार की योजनाएं किसानों, युवाओं, महिलाओं और अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग को स्वरोजगार के नए अवसर दे रही हैं। आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण से मत्स्य क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं बन रही हैं। मत्स्य पालन आत्मनिर्भर और समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम इच्छुक हितग्राही अपने नजदीकी मत्स्य विभाग कार्यालय से संपर्क कर योजनाओं की विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। मछली पालन न सिर्फ आय बढ़ाने का जरिया है, बल्कि आत्मनिर्भर और समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

अशोक सिंघल से नजदीकी, इंदिरा ने भेजा जेल, रामलला के पटवारी की अनसुनी कहानी

अभिनय

रामचरितमानस में कहा गया है कि होइ है सोई जो राम रचराखा। अयोध्या के जिस राम मंदिर को बनवाने के लिए 550 साल की लड़ाई राम भक्तों ने लड़ी जिसके लिए ना जाने कितने लोग जेल गए, कितनों ने प्राण दे दिए, कितनों की आंखें इंतजार में दुनिया छोड़कर चली गई। कितने मांओं ने अपने बच्चों को न्योछावर कर दिया। जब वो राम मंदिर भव्य बनकर तैयार हुआ तो लगा कि अब राजा राम की भक्ति में कोई कोर कसर नहीं रखी जाएगी। लेकिन क्या हमारे अपने राम भक्तों ने रामलला के मंदिर में लालच को नहीं छोड़ा, करप्शन कर दिया, पैसा लूट लिया भक्तों का। हां आरोप यही लग रहा है कि करोड़ों राम भक्त जो रामलला के दर्शन करने जाते हैं और अपनी औकात के हिसाब से 1, 100, सोना–चांदी, गहना मंदिर में चढ़ा कर आते हैं। यह आरोप लग रहा है कि उस पैसे में लूट घसोट हुई है। अयोध्या के राम मंदिर दान चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी और इसके बाद एक्शन का दौर भी शुरू हुआ। एफआईआर हुई, गिरफ्तारियां शुरू हुई और पूछताछ अभी भी जारी है। इस पूरे विवाद के बीच एक नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। वह हैं चंपत राय। राम जन्मभूमि ट्रस्ट के दो सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट में कठोर संस्तुति के बाद यह बड़ा फैसला लिया गया। आखिर कौन है चंपत राय? कैसे एक केमिस्ट्री प्रोफेसर राम मंदिर आंदोलन का सबसे प्रभावशाली चेहरा बन गया और अब जब चढ़ावे की कथित चोरी पर सवाल उठ रहे हैं तो उनके खिलाफ आवाजें क्यों तेज हो रही हैं? चंपत राय का जन्म 1946 में उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में हुआ था। कम उम्र में ही उनका जुड़ाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस से हो गया। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने धामपुर के आश्रम डिग्री कॉलेज में केमिस्ट्री के प्रोफेसर के रूप में नौकरी शुरू की। लेकिन उनकी जिंदगी का रास्ता बदलने वाला था। 1975 में इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी का ऐलान कर दिया था। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी होने लगी। जब देश में विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी हो रही थी। तब चंपत राय बिजनौर के डिग्री कॉलेज में बच्चों को कैमेस्ट्री पढ़ा रहे थे। तभी अचानक कॉलेज के कॉरिडोर में शोर होने लगा। उन्होंने देखा तो गेट पर कुछ पुलिसकर्मी खड़े थे। फिर पुलिसवाले कॉलेज के प्रिंसिपल के पास चले गए। थोड़ी देर बाद कॉलेज का चपरासी चंपत राय की क्लास में आया और बोला कि आपको प्रिंसिपल बुला रहे हैं। वो प्रिंसिपल के पास पहुंचे तब पुलिस वाले ने चंपत राय से कहा कि वो उन्हें गिरफ्तार करने आए हैं। तो चंपत राय ने कहा कि मैं अभी छात्रों को पढ़ा रहा हूं। आप अभी जाइए मैं अपनी क्लास खत्म करके खुद थाने आ जाऊंगा। चंपत राय सुनने के बाद पुलिसवाले वहां से चले गए। क्लास खत्म होने के बाद चंपत राय थाने पहुंचे जहां पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वो 18 महीने जेल में रहे। चंपत राय की ये गिरफ्तारी इमरजेंसी के दौरान ही हुई थी। 1980 में जेल से रिहा होने के बाद चंपत राय ने नौकरी से इस्तीफा दिया। वो संघ के प्रचारक बन गए। संघ में उनके काम को देखते हुए तत्कालीन सरसंघचालक रज्जू भैय्या प्रभावित हो गए। उसके बाद उन्होंने राम मंदिर की लड़ाई लड़ने के लिए राम जन्मभूमि आंदोलन के इतिहास में चंपत राय का नाम एक ऐसे रणनीतिकार के रूप में दर्ज है, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर पूरी पटकथा लिखी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बनने से पहले तक आम जनता में उनकी पहचान भले ही सीमित रही हो, लेकिन संघ और आंदोलन के भीतर उनका कद बेहद मजबूत था। चंपत राय की सबसे बड़ी खूबी उनका समावेशी दृष्टिकोण था। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन को किसी एक वर्ग विशेष तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि सवर्ण समाज से आगे ले जाकर समाज के हर तबके तक इसकी पहुंच बनाई। देश भर में चले ऐतिहासिक शिला पूजनश और घर–घर से ईंटें जुटाने के अभियान के पीछे चंपत राय का ही दिमाग था। राम काज मिलने के बाद चंपत राय अवध के गांव गांव घूमे। अगर अशोक सिंघल विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस का मुखर चेहरा थे, तो चंपत राय इसके मूक शिल्पकार थे, जो हमेशा लो–प्रोफाइल रहकर आंदोलन को धरातल पर आकार दे रहे थे। अशोक सिंघल के बेहद करीबी रहे एक प्रचारक के मुताबिक, चंपत राय को 1991 में अवध प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उस दौर में अयोध्या और आसपास के स्थानीय लोगों में मंदिर को लेकर चल रही लंबी कानूनी लड़ाई की वजह से एक तरह की निराशा घर कर गई थी। चंपत राय ने न सिर्फ इस निराशा को दूर किया, बल्कि स्थानीय समाज को सीधे आंदोलन से जोड़कर उनमें यह विश्वास जगाया कि कानूनी लड़ाई में हिंदू पक्ष की जीत निश्चित है। राम जन्मभूमि से जुड़े तमाम कानूनी दस्तावेज, साक्ष्य और अदालती मुकदमों की बारीकियां चंपत राय की देखरेख में ही थीं। केस के हर पहलू पर उनकी सीधी पकड़ थी। अदालत की सुनवाई के दौरान वकीलों और आंदोलन से जुड़े लोगों के बीच समन्वय को जिम्मेदारी से संभाला। उनकी इसी मेहनत और समर्पण के कारण लोग उन्हें रामलला का पटवारी भी कहने लगे। जब 2019 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ तब बने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चंपत राय को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। यहीं से उनकी ताकत और प्रभाव दोनों बढ़े। मंदिर निर्माण, ट्रस्ट का प्रशासन, मीडिया से संवाद, व्यवस्थाएं, बड़े फैसलों पर चंपत राय सबसे प्रमुख चेहरे बनते गए। ट्रस्ट में कई बड़े नाम मौजूद थे। लेकिन माना जाता रहा कि वास्तविक संचालन की कमान चंपत राय के हाथ में थी। मामले की शुरुआत 7 जून को हुई। तब पूर्व मंत्री और सपा नेता पवन पांडेय ने चढ़ावे में 5–7 करोड़ की चोरी का दावा किया। इसके बाद अखिलेश ने भी मुद्दे को उठाया और सरकार व ट्रस्ट की चुप्पी को संदिग्ध बताया। नौ जून को भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने पीएम को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। इस बीच, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र भी आयोध्या पहुंचे लेकिन उन्होंने इस पर कोई बात नहीं की। मंदिर के पूर्व अकाउंट इंचार्ज महिपाल सिंह ने दावा किया कि लंबे समय से गड़बड़ी हो रही थी। उन्होंने शीर्ष प्रबंधन से इसकी शिकायत की। कार्रवाई के बजाय उन्हें पद से हटा दिया गया। दरअसल खुद को पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने मीडिया से बातचीत में एक दावा किया है।

2027 यूपी विधानसभा 2024 लोकसभा के नतीजे दोहराएगा

शकील

अखिलेश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि जमीन पर कम ताकत दिखने के बावजूद प्रभाव में कांग्रेस की ताकत बहुत है। कांग्रेस के साथ आने से उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। जैसे एक मोटा उदाहरण दलित वोटों का ही है। दलित यूपी में सबसे कम सपा की तरफ जाता है। मायावती ने मुलायम अखिलेश के खिलाफ बोल–बोलकर उनके मन में बहुत गलत भावनाएं भर रखी हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में केवल छह महीने बचे हैं। 2022 में जनवरी के पहले सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम घोषित हो गया था। और 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान था।कहने और लिखने को चुनाव अगले साल हैं। मगर समय कितना बचा है? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इसीलिए कह रहे हैं कि कांग्रेस की तैयारियां कमजोर लग रही हैं। कांग्रेस में इमरान मसूद इसका जवाब यह कह कर दे रहे हैं कि फिर लड़ लें अकेले चुनाव! अखिलेश ने अकेले लड़ने की बात नहीं कही है। साफ कहा है कि साथ मिलकर लड़ेंगे। मगर उन्हें बेवजह भड़काने की कोशिश बताती है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कौन देख रहा है इसको लेकर स्पष्टता नहीं है।इमरान मसूद सांसद हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन से ही बने थे। मगर कांग्रेस में जैसा अन्य प्रदेशों में होता है वैसा ही यूपी में भी हो रहा है कि हर नेता अपनी अलग भाषा बोल रहा है। केन्द्रीय स्तर पर कांग्रेस तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव को देखते हुए ही उसने वहां अपने इन्चार्ज को बदला। यूपी में इस समय एक दलित वोट ही ऐसा है जो पूरी तरह ओपन है। किसी भी तरफ जा सकता है। और जिस तरफ जाएगा बड़ा हिस्सा। लगभग 21 प्रतिशत है। इसी की दम पर मायावती चार बार मुख्यमंत्री रही हैं। मगर अब उनकी राजनीति खुद अपने को बचाने तक ही सीमित हो गई है। हालत यह है कि लोकसभा और राज्यसभा में उनका एक भी सदस्य नहीं है। और विधानसभा में केवल एक। ऐसे में दलित वोट अपना रास्ता ढूंढ रहा है।कांग्रेस ने यही देखते हुए अपने एससी डिपार्टमेंट के चौयरमेन राजेन्द्र पाल गौतम को यूपी का नया इंचार्ज बनाया है। मगर उन्होंने यूपी जाकर अपना कार्यभार संभालने से पहले ही दिल्ली में राज्य की आधी सीटों पर दावेदारी ठोक दी। यूपी में इस समय 403 विधानसभा की सीटों में से कांग्रेस की केवल 2 सीटें हैं। और दावा 200 से एक या दो ज्यादा सीटों पर! जैसा कि हमने ऊपर लिखा केवल 6 महीने हैं और राज्य बहुत टफ। कितना? वह इसी से समझ लीजिए कि 37 साल पहले कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री हुए थे नारायणदत्त तिवारी। 1989 तक। उसके बाद से सपा भाजपा बसपा का दौर शुरू हो गया। और कांग्रेस 37 साल से राज्य में अप्रसांगिक पड़ी हुई है। सारे प्रयोग कर लिए अकेले लड़ कर भी और सपा–बसपा के साथ मिलकर भी। अपनी सबसे करिश्माई नेता मानी जाने वाली प्रियंका गांधी को इंचार्ज बनाकर भी। मगर वह पार्टी जो आजादी के पहले जब संयुक्त प्रान्त कहा जाता था उस समय से बीच का जब गैरकांग्रेस वाद के नाम पर 1967 में संविद सरकारें बन रही थीं का थोड़ा सा अन्तराल छोड़ दें तो 1989 तक हमेशा सत्ता पर काबिज रही वह अब एक कमजोर हालत में पड़ी हुई है।पांच साल तक कोई काम नहीं होता है। और जब चुनाव आता है तो हर बार वह बेमतलब की बहस शुरू हो जाता है कि साथ लड़ना है या अकेले! अभी समय है। हालांकि संभावनाएं यही कहती हैं कि साथ मिलकर लड़ेंगे। अखिलेश ने बोला ही है। और राहुल साथ मिलकर लड़ने के हिमायती हैं। और सबसे बड़ी बात 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बता दिया कि साथ मिलकर लड़ने का क्या फायदा है। सपा और कांग्रेस ने मिलकर आधी से ज्यादा सीटें जीत लीं। 80 सीटों में से सपा ने 37 जीतीं। जो उसका आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कांग्रेस ने छह। मिलकर 43 हुईं। और भाजपा केवल 33 पर

सिमट गई।लोकसभा की सीटों पर विधानसभा के परिणाम नहीं मापे जा सकते। मगर दो साल में राज्य में भाजपा की हालत और कमजोर हो गई है। उसके आन्तरिक विवाद जो भाजपा में सामान्यतरू होते नहीं हैं वह तो हैं ही। अखिलेश यादव इन्हें दो इंजनों का टकराना कहते हैं। भाजपा बातों से लोगों को भरमाने के लिए इस तरह के भाषाई खेल करती रहती है। डबल इंजन की सरकारें। अखिलेश अच्छा तंज करते हैं इस पर कि यूपी में तो दोनों इंजन आपस में ही टकराते रहते हैं। मोदी और योगी के बीच तनाव होने की बात करते हुए वे कहते हैं कि एक दूसरे के नमस्कार भी नहीं लिए जाते। किसी और राज्य में इस तरह की स्थिति की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। मगर यूपी में भाजपा के आन्तरिक झगड़ों का गहरा असर है। ऐसे में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला भाजपा के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गया है। खुद भाजपा विश्व हिन्दू परिषद के लोग इससे बेहद आहत हैं। दोषियों के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं। तब आप सोच सकते हैं कि आम जनता में इसको लेकर कितना दुरुख और रोष होगा। पेपर लीक बेरोजगारी जैसी दूसरी समस्याएं तो हैं हीं। कांग्रेस छात्रों की समस्या पर प्रयागराज में एक बड़ा छात्र सम्मेलन कर रही है। यहां यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व चाहे कम हो मगर उसके मुद्दों का राज्य में बहुत समर्थन है। पहले प्रयागराज में 10 जुलाई को छात्र सम्मेलन होने वाला था। मगर इसके लिए छात्र और युवाओं का उत्साह देखते हुए कांग्रेस ने और ज्यादा तैयारी के साथ इसे करने के लिए इसकी तारीख बढ़ा दी है। अब यह 19 जुलाई को होगा। एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस की टीमों के साथ कांग्रेस के समन्वयक भी प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में छात्र और युवाओं के बीच जाकर उन्हें सम्मेलन में आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। राहुल गांधी कोटा के पहले छात्र सम्मेलन की तरह यहां भी रहेंगे। और प्रियंका गांधी भी यहां आएंगी। अखिलेश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि जमीन पर कम ताकत दिखने के बावजूद प्रभाव में कांग्रेस की ताकत बहुत है। कांग्रेस के साथ आने से उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। जैसे एक मोटा उदाहरण दलित वोटों का ही है। दलित यूपी में सबसे कम सपा की तरफ जाता है। मायावती ने मुलायम अखिलेश के खिलाफ बोल–बोलकर उनके मन में बहुत गलत भावनाएं भर रखी हैं। मगर जब कांग्रेस सपा के साथ आती है तो दलित भी कांग्रेस पर विश्वास करके गठबंधन के साथ आता है। 2024 लोकसभा में उसने सपा कांग्रेस को वोट दिया। वैसे तो 2027 में सात राज्यों में विधानसभा चुनाव है। और हर राज्य का अपना अलग महत्व है। यूपी के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, हिमाचल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के साथ मणिपुर एवं गोवा में भी चुनाव है। मगर सबसे बड़ा राज्य होने के कारण और अभी श्रीराम मंदिर जो सीधा प्रधानमंत्री मोदी की देखरेख में है। वहां ट्रस्ट में उनके ही सारे आदमी लगाए गए थे।

बदलते राजनीतिक परिदृश्य में वामपंथ को अपनानी होगी नई रणनीति

सोभनलाल

दत्त गुप्ताराजनीति पश्चिम बंगाल की राजनीति में बने इस नए राजनीतिक रिक्त स्थान ने वामपंथ को एक अवसर दिया है, लेकिन केवल टीएमसी के पतन से उसकी वापसी सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए उसे लोकतांत्रिक विपक्ष की विश्वसनीय भूमिका निभानी होगी, विकास का व्यावहारिक वैकल्पिक एजेंडा प्रस्तुत करना होगा। 26 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों ने राज्य की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया है। भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में पहली बार स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि लंबे समय तक सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच गई है। इस परिणाम को केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि वर्षों से चले आ रहे भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा, भय और प्रशासनिक अव्यवस्था के खिलाफ मतदाताओं की तीखी प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है। चुनाव के बाद जिस तेजी से टीएमसी में टूट–फूट और राजनीतिक अस्थिरता दिखाई दी है, उसने पार्टी की संगठनात्मक कमजोरी को भी उजागर कर दिया है।यह स्थिति भाजपा के लिए निश्चित रूप से राजनीतिक बढ़त लेकर आई है, लेकिन इससे सबसे बड़ा अवसर वामपंथ के सामने भी पैदा हुआ है। पिछले डेढ़ दशक में टीएमसी ने वामपंथ को अपना प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानते हुए उसे हाशिए पर धकेलने की लगातार कोशिश की। अब जब टीएमसी का प्रभाव तेजी से घटा है और उसके विभाजित समूह प्रभावी विपक्ष बनने की स्थिति में नहीं हैं, तब वामपंथ स्वयं को भाजपा के विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। हाल के दिनों में वाम दलों की रैलियां, बंद पड़े पार्टी कार्यालयों का फिर सक्रिय होना और सार्वजनिक जीवन में उनकी बढ़ती मौजूदगी इसी संभावना का संकेत देती है।यह अवसर जितना महत्वपूर्ण है, चुनौती भी उतनी ही बड़ी है। भाजपा को व्यापक जनादेश मिला है, इसलिए केवल वैचारिक विरोध या उसे प्रतिक्रियावादी अथवा फासीवादी कहकर राजनीतिक जमीन तैयार नहीं की जा सकती। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए वामपंथ को सरकार के सामने विकास के ऐसे वैकल्पिक मॉडल रखने होंगे, जिनमें गरीबों, श्रमिकों, किसानों और वंचित वर्गों के हितों को प्राथमिकता मिले। साथ ही उसे यह भी मांग करनी चाहिए कि टीएमसी शासन के दौरान राजनीतिक दमन के शिकार सभी लोगों को न्याय मिले, चाहे उनकी राजनीतिक पहचान कुछ भी रही हो। इससे वामपंथ की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता अधिक विश्वसनीय रूप में सामने आएगी।इसी के साथ सरकार की उन कार्रवाइयों का भी विरोध जरूरी होगा जो लोकतांत्रिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों या कमजोर वर्गों के हितों के विरुद्ध हों। यदि इतिहास लेखन को वैचारिक दृष्टि से बदला जाता है, धार्मिक आधार पर भेदभाव होता है, पुनर्वास के बिना अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाई की जाती है या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिलता है, तो वामपंथ को इन मुद्दों पर स्पष्ट और सुसंगत राजनीतिक हस्तक्षेप करना होगा। वामपंथ के सामने सबसे कठिन चुनौती भाजपा की उस रणनीति को समझने की है, जिसके माध्यम से उसने बड़ी संख्या में हिंदू मतदाताओं का समर्थन हासिल किया। भाजपा ने सीमा पार से अवैध घुसपैठ, मुस्लिम आबादी में वृद्धि और टीएमसी की कथित तुष्टिकरण की राजनीति जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना पैदा की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा के पक्ष में पड़ा मत केवल टीएमसी विरोधी नहीं था, बल्कि उसमें हिंदुत्व आधारित समर्थन भी शामिल था। इन दोनों तत्वों को अलग–अलग समझना वामपंथ के लिए आसान नहीं होगा, लेकिन भविष्य की रणनीति के लिए यह आवश्यक है।लंबे समय तक यह मान लिया गया था कि बंगाल का समाज स्वाभाविक रूप से धर्मनिरपेक्ष है और सांप्रदायिक राजनीति यहां गहरी जड़ें नहीं जमा सकती। लेकिन हाल की राजनीतिक घटनाओं ने इस धारणा को चुनौती दी है। बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बावजूद समाज में धार्मिक अविश्वास और पूर्वाग्रह की अंतर्धाराएं मौजूद रही हैं। वाम शासन के लंबे दौर में भी ऐसी सांस्कृतिक पहल पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो सकी, जो समाज में धार्मिक सहअस्तित्व और साझी विरासत की समझ को मजबूत कर पाती। भाजपा ने इसी खाली स्थान का लाभ उठाते हुए बंगाल के अनेक सांस्कृतिक प्रतीकों को अपनी वैचारिक व्याख्या के अनुरूप प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, श्री अरविंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और यहां तक कि रवींद्रनाथ टैगोर जैसे व्यक्तित्वों के विचारों को उनके व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ से अलग करके प्रस्तुत किया गया। दूसरी ओर, वामपंथ ने भी लंबे समय तक इन विभूतियों को अपेक्षित महत्व नहीं दिया और उन्हें मुख्यतरू धार्मिक, साहित्यिक या सांस्कृतिक व्यक्तित्व मानकर राजनीतिक विमर्श से दूर रखा। अब आवश्यकता इस बात की है कि वामपंथ इन ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के विचारों को उनकी संपूर्णता में समाज के सामने रखे। राजा राममोहन राय और विवेकानंद की धार्मिक समन्वय की भावना, श्री अरविंद का मानव एकता का विचार, बंकिमचंद्र का वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक चिंतन, तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रीय सोच आज भी प्रासंगिक हैं। इनकी संतुलित और ऐतिहासिक व्याख्या के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एकांगी दृष्टिकोण का लोकतांत्रिक जवाब दिया जा सकता हैपश्चिम बंगाल की राजनीति में बने इस नए राजनीतिक रिक्त स्थान ने वामपंथ को एक अवसर दिया है, लेकिन केवल टीएमसी के पतन से उसकी वापसी सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए उसे लोकतांत्रिक विपक्ष की विश्वसनीय भूमिका निभानी होगी, विकास का व्यावहारिक वैकल्पिक एजेंडा प्रस्तुत करना होगा और सामाजिक–सांस्कृतिक मुद्दों पर भी नई दृष्टि के साथ सक्रिय हस्तक्षेप करना होगा। यदि वामपंथ इन चुनौतियों का उत्तर देने में सफल होता है, तभी वह राज्य की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता दोबारा स्थापित कर सकेगा।

कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स ने लखनऊ में नई सुविधा का उद्घाटन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपनी व्यापक राष्ट्रीय विस्तार रणनीति के तहत भारत की अग्रणी तापमान–नियंत्रित एवं एम्बिएंट सप्लाई–चेन समाधान प्रदाता कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स ने लखनऊ में अपनी नई सुविधा शुरू कर उत्तर भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। यह विस्तार ऐसे समय में किया गया है, जब टियर–प् शहरों में उपभोग का स्वरूप तेजी से महानगरों के समान होता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण संगठित रिटेल, क्विक कॉमर्स, फूड डिलीवरी और हेल्थकेयर सेवाओं का तेजी से विस्तार है। लखनऊ–कानपुर हाईवे कॉरिडोर पर स्थित उन्नाव में स्थापित यह नया 10,500 वर्ग फुट का अत्याधुनिक केंद्र उत्तर प्रदेश तथा आसपास के बाजारों में एफएमसीजी, डेयरी, कन्फेक्शनरी, प्रोसेस्ड फूड, हेल्थकेयर और क्विक–कॉमर्स से जुड़े व्यवसायों को सेवाएं प्रदान करेगा। कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स के कार्यकारी निदेशक समीर वर्मा ने कहा भारत में उपभोग वृद्धि का प्रमुख आधार अब केवल महानगर नहीं रहे हैं, बल्कि देशभर के उभरते बाजार भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी दृष्टि से लखनऊ में हमारा यह निवेश हमारी व्यापक राष्ट्रीय विस्तार रणनीति का हिस्सा है तथा उपभोग केंद्रों के निकट मजबूत एवं विश्वसनीय कोल्ड–चेन अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकता को दर्शाता है। यह नई सुविधा मांग केंद्रों के करीब हमारी पहुंच बढ़ाएगी, पुनः आपूर्ति (रीप्लेनिशमेंट) के समय को कम करेगी और हमारे ग्राहकों को अपने परिचालन को अधिक कुशलता से विस्तार करने में सक्षम बनाएगी। जैसे–जैसे सप्लाई–चेन का स्वरूप विकसित हो रहा है, हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उभरते बाजारों में व्यवसायों और उपभोक्ताओं को भी वही उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और उत्पाद उपलब्धता मिले, जो अब तक मुख्य रूप से टियर–प् शहरों से जुड़ी रही है। यह सुविधा उभरते हुए मांग केंद्रों के निकट आपूर्ति श्रृंखला क्षमता उपलब्ध कराकर तेज, अधिक कुशल और विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स सेवाएं सुनिश्चित करेगी। यह वेयरहाउस एम्बिएंट, ट्रॉपिकल (15डिग्री सेल्सियस से 25डिग्री सेल्सियस), चिलर (2डिग्री सेल्सियस से 8डिग्री सेल्सियस) और फ्रोजन (–20डिग्री सेल्सियस) सहित विभिन्न तापमान श्रेणियों की सुविधा से सुसज्जित है। इससे नाशवान एवं तापमान–संवेदनशील उत्पादों का सुरक्षित भंडारण तथा निर्बाध परिवहन सुनिश्चित किया जा सकेगा। लखनऊ स्थित यह सुविधा कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स के मौजूदा परिचालन एवं प्रौद्योगिकी ढांचे पर आधारित है, जिसे एआई/एमएल आधारित लॉजिस्टिक्स प्लानिंग, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स, आईओटी नियंत्रित सेंसर तथा स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का समर्थन प्राप्त है। इसके माध्यम से ग्राहकों को कोल्डस्टार के राष्ट्रीय नेटवर्क में उपलब्ध समान स्तर की परिचालन दक्षता, रियल–टाइम विजिबिलिटी और उत्पाद की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित होगी। साथ ही, यह सुविधा कंपनी की श्जीरो स्टॉक–आउटश्र प्रतिबद्धता को और अधिक प्रभावी ढंग से साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लखनऊ में नई सुविधा के शुभारंभ के साथ ही कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स का नेटवर्क अब देशभर में 45 वितरण केंद्रों तक विस्तारित हो गया है। इससे कंपनी की बढ़ते मांग केंद्रों तक अपनी पहुंच और सेवा क्षमता और मजबूत होगी तथा वह महानगरों के साथ–साथ उभरते बाजारों में भी अपने ग्राहकों को अधिक प्रभावी, तेज और विश्वसनीय सप्लाई–चेन समाधान उपलब्ध करा सकेगी।

ग्रीन सिनेमा अवार्ड 2026– जौनपुर की बहू अलका झा बनीं बेस्ट प्लेबैक सिंगर, जिले का बढ़ाया मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर की बहू और भोजपुरी फिल्म जगत की चर्चित पार्श्व गायिका अलका झा को मुंबई में आयोजित ग्रीन सिनेमा अवार्ड 2026 में श्बेस्ट प्लेबैक सिंगर (भोजपुरी) 2026 के सम्मान से नवाजा गया। इस उपलब्धि से जौनपुर का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। 29 जून को आयोजित भव्य पुरस्कार समारोह में यह सम्मान अलका झा को भोजपुरी फिल्मों में उनके उत्कृष्ट गायन और लंबे समय से संगीत जगत में दिए गए योगदान के लिए प्रदान किया गया। अलका झा अभिनेता जितेंद्र झा की धर्मपत्नी हैं और जौनपुर की बहू के रूप में भी अपनी विशेष पहचान रखती हैं। अलका झा अब तक भोजपुरी सहित विभिन्न फिल्म उद्योगों के लिए एक हजार से अधिक गीतों में अपनी आवाज दे चुकी हैं। उनकी गायकी का दायरा सात भाषाओं तक फैला हुआ है, जिससे उन्होंने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह पहला अवसर नहीं है जब उनकी प्रतिभा को सम्मान मिला हो। इससे पहले वर्ष 2020 में सरस सलिल अवार्ड समारोह में भी उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार मिल चुका है। सम्मान मिलने के बाद अलका झा ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार के सहयोग, श्रोताओं के प्यार और शुभचिंतकों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा कि ष्जौनपुर वाली माँ शीतला का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहता है। इसी प्रेरणा और लोगों के स्नेह से मैं लगातार आगे बढ़ रही हूं। अलका झा की इस उपलब्धि पर जौनपुर सहित भोजपुरी फिल्म जगत में खुशी की लहर है। उनके प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छूने की शुभकामनाएं दी हैं।

महंगाई, बेरोजगारी और निजीकरण के विरोध में एसयूसीआई (सी) कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, सरकारी क्षेत्रों के निजीकरण, पेपर लीक और सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने सहित विभिन्न जनसमस्याओं के विरोध में एसयूसीआई (सी) ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 10 सूत्रीय मांगपत्र जिलाधिकारी को सौंपा। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ती महंगाई और रोजगार के घटते अवसरों से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। उनका कहना था कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के कारण आर्थिक असमानता बढ़ी है, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, श्रम और रोजगार जैसे क्षेत्रों में आम लोगों की समस्याएं लगातार गहराती जा रही हैं। वक्ताओं ने प्रदेश में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और कानून–व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। साथ ही सरकारी उपक्रमों के निजीकरण और सरकारी स्कूलों को बंद करने के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी तथा निजी संस्थानों को बढ़ावा मिलेगा। एसयूसीआई (सी) नेताओं ने कहा कि जनविरोधी नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन की आवश्यकता है और पार्टी जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीपति सिंह ने की, जबकि संचालन दिलीप कुमार खरवार ने किया।

बक्शा पुलिस पर पैसे लेकर एफआईआर दर्ज करने का आरोप, अधिवक्ताओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का गेट बंद कर किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित बक्शा थाना अंतर्गत पुलिस पर पैसे लेकर मुकदमे दर्ज करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ के बैनर तले अधिवक्ताओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने एसपी कार्यालय के मुख्य गेट पर धरना देते हुए उसे कुछ समय के लिए बंद कर दिया, जिससे परिसर में आवागमन प्रभावित रहा। कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष घनश्याम सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ता सुबह करीब 10 बजे एसपी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बक्शा थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं का कहना था कि बक्शा थाना पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय धन लेकर एफआईआर दर्ज कर रही है। उनका आरोप था कि इस तरह की कार्यप्रणाली से आम जनता का पुलिस व्यवस्था से भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है। अधिवक्ताओं ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। करीब एक घंटे तक चले धरना–प्रदर्शन की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश सिंह और क्षेत्राधिकारी (नगर) गोल्डी गुप्ता मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने अधिवक्ताओं से वार्ता कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं ने धरना समाप्त कर दिया। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

छात्रों के मुद्दों पर प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाएगी आम आदमी छात्र विंग, जल्द बनेगी नई प्रदेश कार्यकारिणी

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई आम आदमी छात्र विंग (एएसएपी) उत्तर प्रदेश की संगठनात्मक बैठक रविवार को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं छात्र विंग के उत्तर प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने की। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों और छात्र नेताओं ने भाग लिया। बैठक में छात्रों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन की नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लिया गया।बैठक को संबोधित करते हुए वंशराज दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश का छात्र और युवा वर्ग गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि एएसएपी प्रदेशभर में छात्रों के अधिकारों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर संगठित एवं निर्णायक संघर्ष करेगी।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। वर्षों की मेहनत करने वाले लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, जिसमें वह विफल रही है।वंशराज दुबे ने छात्रवृत्ति वितरण में हो रही देरी पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि गरीब, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हजारों छात्र समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने के कारण पढ़ाई जारी रखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और कई विद्यार्थियों को पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ रही है।उन्होंने निजी और सरकारी शिक्षण संस्थानों में बढ़ रही फीस का मुद्दा उठाते हुए सरकार से मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने तथा ऐसी व्यवस्था लागू करने की मांग की, जिससे आर्थिक स्थिति किसी भी छात्र की शिक्षा में बाधा न बने।रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लाखों योग्य युवा डिग्रियां लेने के बावजूद रोजगार के लिए भटक रहे हैं। सरकार युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने में असफल रही है और रोजगार सृजन उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।उन्होंने घोषणा की कि आम आदमी छात्र विंग प्रदेश के प्रत्येक कॉलेज, विश्वविद्यालय और जिले में संगठन का विस्तार करेगी तथा छात्रों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर व्यापक जनजागरण अभियान चलाएगी। आवश्यकता पड़ने पर चरणबद्ध आंदोलन भी किया जाएगा।बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जल्द ही एएसएपी की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमन्द का जीवनदान बन सकता है – डा. वीरेन्द्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एक यूनिट रक्त किसी दुर्घटना, सर्जरी या गम्भीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति के लिये जीवनदान बन सकता है। किसी भी मानव जीवन को बचाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। उक्त बातें अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के 9वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को आयोजित दधीचि रक्तदान शिविर में प्रान्त कार्याध्यक्ष डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कही। नगर के लाइन बाजार क्षेत्र में स्थित आईएमए के ब्लड बैंक में अहिप, राबद सहित अन्य आयामों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। यह रक्तदान शिविर राष्ट्रीय बजरंग दल के नेतृत्व में सपन्न हुआ जहां दो दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया जिन्हें ब्लड बैंक के प्रभारी डा. बीएन दूबे ने प्रमाण पत्र भी दिया। इसी क्रम में अहिप जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने कहा कि आज के इस रक्तदान शिविर में सभी का स्वागत है। साथ ही आगे कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी रक्तदान एक बेहद सुरक्षित और सेहतमन्द प्रक्रिया है। इससे न केवल किसी जरूरतमन्द मरीज की जान बचती हैंबल्कि रक्तदाता के शरीर में नयी ऊर्जा का संचार भी होता है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है। इस अवसर पर रामप्रीत मिश्र उर्फ फलाहारी महाराज विभाग धर्माचार्य अहिप, राबद जिलाध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह, विवेक उपाध्याय, सुधीर गुप्ता, सुधीर कुमार, कृष्ण कुमार उपाध्याय, गोविन्द गुप्ता, नागेन्द्र सिंह, आजाद शुक्ला, सुरेन्द्र प्रजापति, सचिन श्रीवास्तव, अवधेश चौहान, शनि श्रीवास्तव सहित तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत अहिप जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने किया। अन्त में राबद जिलाध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निफा के संवेदना-2 अभियान को दोहरा सम्मान, डॉ. अंजु सिंह समेत जौनपुर के 10 रक्तवीर हुए सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ एक्टिविस्ट्स उत्तर प्रदेश द्वारा राजधानी लखनऊ स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में नेशनल सोशल इम्पैक्ट अवार्ड एवं संवेदना–2 सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान जागरूकता और मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रक्तवीरों और संस्थाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में श्संवेदना–2श अभियान के सफल संचालन के लिए प्रतिभागियों को एक ही मंच पर दो प्रतिष्ठित सम्मानकृनेशनल सोशल इम्पैक्ट अवार्ड तथा वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ऑफ एक्सीलेंस, इंग्लैंडकृसे नवाजा गया। जौनपुर की समाजसेविका डॉ. अंजु सिंह सहित जिले के 10 रक्तवीरों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान रहीं। विशिष्ट अतिथियों में राज्य मंत्री नटवर गोयल, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल, वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ऑफ एक्सीलेंस, इंग्लैंड के वाइस चेयरमैन संजय पांजवानी, निफा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अश्विनी शेट्टी, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल, श्स्माइल मैनश सर्वेश अस्थाना, सोटो के संयुक्त निदेशक डॉ. हर्षवर्धन द्विवेदी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने रक्तदान और अंगदान को जनआंदोलन बनाने पर जोर देते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस मुहिम से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में संवेदना–2 अभियान के नेशनल प्रोजेक्ट डायरेक्टर दिलीप कुमार दुबे ने स्वागत भाषण दिया, जबकि डॉ. अश्विनी शेट्टी ने अभियान की उपलब्धियों और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। निफा उत्तर प्रदेश की संरक्षिका एवं ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की संस्थापिका डॉ. अंजु सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. बबीता सिंह चौहान को सम्मानित किया। उन्होंने सम्मान को पूरी टीम और रक्तदान अभियान से जुड़े सभी स्वयंसेवकों को समर्पित करते हुए सहयोगी संस्थाओं एवं रक्तवीरों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतापगढ़ और बस्ती में ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति द्वारा आयोजित रक्तदान शिविरों के समन्वयकों को भी सम्मानित किया गया। संस्था ने बताया कि संवेदना–2 अभियान के तहत पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित शिविरों के माध्यम से 500 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदान साबित हो रहा है।

सोशल मीडिया के दुरुपयोग और अनुशासनहीनता पर बड़ी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने विभागीय अनुशासनहीनता, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और सेवा नियमों के लगातार उल्लंघन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरक्षी सुनील कुमार शुक्ला को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभागीय जांच में उनके विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए 7 मई 2026 को एक जांच समिति का गठन किया गया था। समिति ने मामले से जुड़े सभी पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए और आरक्षी सुनील कुमार शुक्ला सहित सभी संबंधित व्यक्तियों को अपना पक्ष रखने तथा साक्ष्य प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया। हालांकि, जांच के दौरान आरक्षी सुनील कुमार शुक्ला अपने आरोपों के समर्थन में कोई भी ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके।विभागीय जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरक्षी ने वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध निराधार आरोप सार्वजनिक रूप से प्रसारित किए। बिना किसी प्रमाण के विभाग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया तथा पुलिस बल में अनुशासनहीनता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में संलिप्तता पाई गई। जांच में यह भी पाया गया कि उन्होंने अधिकारियों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया ।

आशियाना में पार्क के फुटपाथ पर बने रहे वेंडिंग जोन पर बढ़ा विवाद

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना स्थित एलडीए कॉलोनी के गौतम बुद्ध पार्क की बाउंड्री के पास नगर निगम की ओर से बनाए जा रहे मॉडल वेंडिंग जोन को लेकर अभी तक विरोध हो रहा था, मगर अब इसके समर्थन में भी लोग आ गए हैं। रविवार एक पक्ष ने करीब तीन घंटे तक सड़क जाम कर दुकानों को बनाने का विरोध किया। वहीं, दूसरे पक्ष ने दुकानों को बनाने का समर्थन करते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाया। पटरी दुकानदारों के लिए नगर निगम फेरी नीति के तहत फुटपाथ पर करीब 60 पक्की दुकानें बना रहा है। इसका कुछ स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। रविवार को इन लोगों ने प्रदर्शन किया। जानकारी के बाद नगर निगम जोन के जोनल अधिकारी आर क्षेत्रीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाया और जाम दूर कराया। इधर, पटरी दुकानदारों के लिए वेंडिंग जोन बनाने का समर्थन कर रहे लोगों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। कहा कि विरोध वे कुछ लोग कर रहे हैं जो रेहड़ी पटरी दुकानदारों से अवैध वसूली करते थे, उन्हें इस स्थायी वेंडिंग जोन का निर्माण सिर्फ इसलिए पसंद नहीं आ रहा है, क्योंकि उनकी अवैध कमाई के सारे रास्ते अब बंद हो जाएंगे।

चिनहट के हिमालय कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग, 14 दमकल वाहनों और एसडीआरएफ ने पाया काबू, जनहानि नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के चिनहट क्षेत्र में रविवार सुबह फैजाबाद रोड स्थित मटियारी के पास हिमालय कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही थाना चिनहट पुलिस, अग्निशमन विभाग और एसडीआरएफ की टीम ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाकर आग पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पा लिया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि या किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब 6रू15 बजे थाना चिनहट को सूचना मिली कि सनी टोयोटा शोरूम के निकट स्थित हिमालय कोल्ड स्टोरेज में आग लग गई है। सूचना मिलते ही थाना चिनहट पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। साथ ही अग्निशमन विभाग को सूचना देकर दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए फायर सर्विस की कुल 14 गाड़ियां और एसडीआरएफ की टीम को मौके पर लगाया गया। संयुक्त अभियान के तहत कई घंटों तक चले अग्निशमन अभियान के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया। इस दौरान पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कर यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनाए रखी, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई।घटनास्थल पर वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार मौजूद रहे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करते रहे। अधिकारियों के निर्देशन में सभी संबंधित विभागों ने समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में कर लिया।

काकोरी में अवैध तमंचा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी थाना पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग और वांछित अपराधियों की तलाश के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार 27 जून को उपनिरीक्षक छत्रजीत सिंह, उपनिरीक्षक अभिमन्यु सिंह, उपनिरीक्षक उत्तम सिंह तथा कांस्टेबल गौरव भदौरिया ग्राम सकरा–बेलवा कठिंगरा रोड पर वांछित अपराधियों की तलाश एवं संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दिनेश गौतम के आम के बाग में एक संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा है, जो किसी आपराधिक घटना को अंजाम दे सकता है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची ।

रिहायशी इलाके के फ्लैट में चल रहा था स्टे–इन, रात में शराब पार्टी के दौरान लगी आग

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट थाना क्षेत्र के नंदी विहार स्थित श्व्यूस हाइट अपार्टमेंट्स में सोमवार सुबह करीब आठ बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब इसके पेंटहाउस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि पूरा कमरा जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के वक्त इस पेंटहाउस में कुछ युवक रुककर पार्टी कर रहे थे। जैसे ही कमरे में आग भड़की, वहां अफरा–तफरी मच गई। हादसे की जिम्मेदारी लेने या किसी को सूचना देने के बजाय, कमरे को किराए पर लेकर रह रहे ।

दूसरे दिन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई पीयूकैट-2026 की प्रवेश परीक्षा

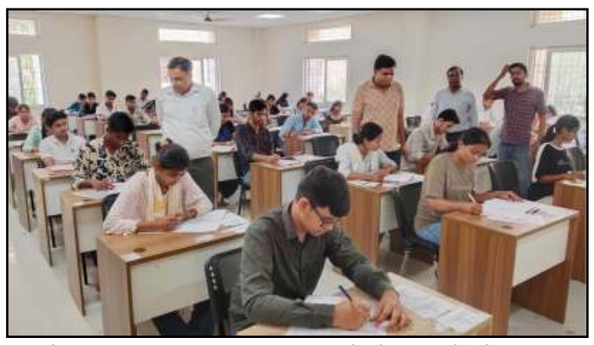

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पीयूकैट–2026 के अंतर्गत मंगलवार को विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा तीन पालियों में कड़ी निगरानी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का निरीक्षण कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव एवं डॉ संजीव गंगवार की टीम ने परीक्षाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा समन्वयक प्रोफेसर मिथिलेश सिंह के अनुसार प्रथम पाली (प्रातः 9 बजे से 11 बजे) में एमबीए की प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। इसमें पंजीकृत 566 अभ्यर्थियों में से 479 उपस्थित हुए, जबकि 87 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली (दोपहर 12 बजे से 2 बजे) में एलएलबी, एमसीए तथा एमएससी (रसायन विज्ञान) की प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित की गईं। एलएलबी में पंजीकृत 69 अभ्यर्थियों में से 51 उपस्थित हुए तथा 18 अनुपस्थित रहे। एमसीए में 141 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 122 ने परीक्षा दी, जबकि 19 अनुपस्थित रहे। वहीं एमएससी (रसायन विज्ञान) में 74 अभ्यर्थियों में से 63 उपस्थित हुए तथा 11 अनुपस्थित रहे। तृतीय पाली (अपराह्न 3 बजे से 5 बजे) में बीकॉम, बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी), एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) एवं एमएससी (जूलॉजी) की प्रवेश परीक्षाएँ संपन्न हुईं। बीकॉम में पंजीकृत 198 अभ्यर्थियों में से 175 उपस्थित हुए तथा 23 अनुपस्थित रहे। बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में 220 अभ्यर्थियों में से 197 ने परीक्षा दी, जबकि 23 अनुपस्थित रहे। बीएससी (जेडबीसीएम) 140 में 112 लोगों ने परीक्षा दी। एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में 92 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 75 उपस्थित हुए तथा 17 अनुपस्थित रहे। वहीं एमएससी (जूलॉजी) में 52 अभ्यर्थियों में से 47 ने परीक्षा दी और 5 अनुपस्थित रहे।दिनभर आयोजित परीक्षाओं में कुल 1,552 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,321 उपस्थित हुए, जबकि 2, 31अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, गोपनीयता एवं पारदर्शिता के व्यापक प्रबंध किए गए थे। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

अयोध्या राम मंदिर में 12 करोड़ की रॉयल सिक्योरिटी का वो सच, जिसने उड़ा दिए सबके

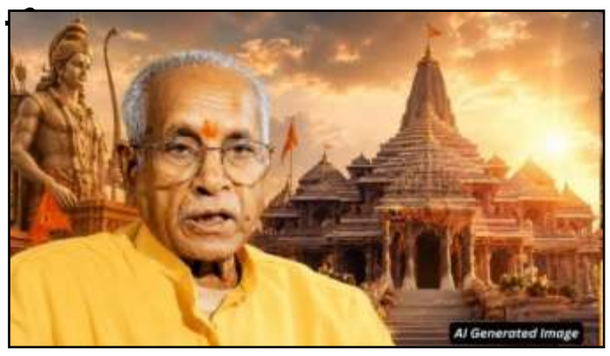

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अयोध्या के भव्य राम जन्मभूमि मंदिर से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।मंदिर के दानपात्र से चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में हर दिन चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब इस महाघोटाले की जांच का दायरा केवल मंदिर के काउंटिंग रूम (गिनती कक्ष) तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि इसके तार एक बेहद शातिर और सुनियोजित आपराधिक सिंडिकेट से जुड़ते नजर आ रहे हैं।इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा धमाका मंदिर परिसर की सुरक्षा में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मियों को लेकर हुआ है, जो अब सीधे तौर पर जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं।इसी के साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की कार्यप्रणाली और उनके द्वारा तैयार किए गए सुरक्षा तंत्र पर भी बेहद गंभीर आरोप लग रहे हैं।मंदिर से जुड़े सूत्रों और अंदरूनी जानकारों की मानें तो अयोध्या में चंपत राय की एक बिल्कुल अलग और रसूखदार दुनिया थी, जहां वे किसी 'राजा' की तरह रहते थे। उन्होंने नियम–कायदों को ताक पर रखकर अपनी एक 'निजी सेना' खड़ी कर रखी थी, जिसे कागजों पर 'निजी सुरक्षा गार्ड्स' का नाम दिया गया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन 400 निजी गार्ड्स की तैनाती के लिए राम मंदिर ट्रस्ट के आधिकारिक खाते से हर महीने ध्1 करोड़ यानी सालाना लगभग ध्12 करोड़ की भारी–भरकम राशि बकायदा 'नंबर एक' में भुगतान की जा रही थी। अब गंभीर आरोप यह लग रहे हैं कि यह आलीशान सुरक्षा घेरा मंदिर की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि दान में आने वाले 'लूट के माल' को बिना किसी रोक–टोक के सुरक्षित रास्ता देने के लिए तैयार किया गया था।अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही बेहद सख्त और अभेद्य मानी जाती है।यहां केंद्र और राज्य सरकार की पैरामिलिट्री फोर्सेज (अर्धसैनिक बल) और एलीट कमांडोज की भारी तैनाती है। ऐसे में जांच एजेंसियों के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह खड़ा हुआ है कि जब सरकारी सुरक्षा चक्र इतना मजबूत था, तो ट्रस्ट के पैसे पर इतनी बड़ी संख्या में निजी सुरक्षाकर्मियों को रखने की क्या जरूरत थी? इस सवाल ने पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है।जांच सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस पूरे खेल की परतें तब खुलीं जब उस सिक्योरिटी एजेंसी का नाम सामने आया। दावा किया जा रहा है कि जिस प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी को सालाना ध्12 करोड़ का यह मोटा ठेका दिया गया था,वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े बिहार के एक बेहद रसूखदार पदाधिकारी और पूर्व सांसद की है। इस खुलासे के बाद अब इस नेक्सस (गठजोड़) को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है और जांच का रुख राजनीतिक गलियारों की तरफ भी मुड़ गया है।फिलहाल, मुस्तैद जांच एजेंसियां इस मामले की तह तक जाने के लिए एक्शन मोड में आ चुकी हैं। सभी 400 निजी सुरक्षाकर्मियों का ड्यूटी रोस्टर, महीनों के सीसीटीवी फुटेज,एंट्री–एग्जिट रिकॉर्ड और उनके बैंक खातों की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। जांच अधिकारी विशेष रूप से यह देख रहे हैं कि जब हुंडी से चढ़ावे की रकम को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा रहा था।तब सुरक्षा नियमों का उल्लंघन क्यों किया गया?और वे कौन से खास लोग थे, जिन्हें बिना किसी चेकिंग के मंदिर परिसर में वीआईपी एंट्री और एग्जिट की छूट दी गई थी।साफ है कि यह मामला अब केवल छोटे कर्मचारियों की हेराफेरी का नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे तौर पर एक बड़े प्रबंधकीय और सुरक्षा नेक्सस की जड़ों को उखाड़ने की दिशा में बढ़ चुका है।

सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा मे पूर्ण करें:-डीएम

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'हरदोई' मंगलवार को स्वामी विवेकानन्द सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा गोद लिए विद्यालयों में कराये गये कार्यो की समीक्षा बैठक

आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से पूर्व एवं अब तक के किये गये कार्यो की स्थित

'डॉक्टर्स डे के अवसर पर सदेश' 'डॉ. गौरव सिन्हा'

डॉक्टर्स डे के पावन अवसर पर मैं सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ एवं सुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, अनिद्रा एवं विभिन्न अस्थि एवं स्नायु संबंधी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में आयुर्वेद एक समग्र एवं वैज्ञानिक जीवन पद्धति

के रूप में अत्यंत प्रासंगिक है। आयुर्वेद हमें केवल रोगों का उपचार ही नहीं, बल्कि स्वस्थ रहने की कला भी सिखाता है। पंचकर्म आयुर्वेद की एक विशिष्ट शोधन चिकित्सा है, जो शरीर से विषाक्त तत्वों को बाहर निकालकर दोषों का संतुलन स्थापित करती है। वमन, विरेचन, बस्ती, नस्य एवं रक्तमोक्षण जैसी पंचकर्म प्रक्रियाएँ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, तनाव कम करने तथा दीर्घकालिक रोगों की रोकथाम एवं उपचार में अत्यंत लाभकारी हैं। दैनिक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांत जैसे दृ संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग, ध्यान एवं समय–समय पर पंचकर्म का पालन हमें शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है। आइए, इस डॉक्टर्स डे पर हम सभी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा आयुर्वेद एवं पंचकर्म के माध्यम से ष्स्वस्थ भारतष् के निर्माण का संकल्प लें। स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं, आतुरस्य विकार प्रशमनं च अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा रोगी के रोगों का निवारण करना ही आयुर्वेद का प्रमुख उद्देश्य है।

दिव्यांगों के लिए स्वकृति हुई दस हजार रूपये की सहायता राशि – डीएम

अयोध्या।दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों के अभिभावकों एवं दिव्यांगजनों के हितार्थ संचालित समस्त संस्थाओं एवं सज्जनों को सूचित किया जाता है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा "उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजनों हेतु दुकान निर्माणध्संचालन योजनान्तर्गत खोखाध्गुमटीध्हाथ ठेला कयध्संचालन हेतु पात्र लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में रू0–10,000/– की धनराशि स्वीकृत की जाती है, इसमें रू0–7500/– की धनराशि पर 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा रू0–2500/– की धनराशि अनुदान के रूप में एवं दुकान निर्माणध्कय हेतु पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता के रूप में 20000 /– की धनराशि स्वीकृत की जाती है इसमें रू0–15000/– की धनराशि 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर तथा ऋण के रूप में रू0–5000/– की धनराशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाती है।योजना की पात्रता हेतु दिव्यांगजन की दिव्यांगता 40 प्रतिशत या इससे अधिक स्थायी हो एवं उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों, दिव्यांगजन की वार्षिक आय समय–समय पर शासन द्वारा गरीबी रेखा के लिए निर्धारित आय सीमा के दोगुने से अधिक न हो, दिव्यांगजन की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक, किन्तु 60 वर्ष से अधिक न हो, दिव्यांगजन किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामलों में सजा न पाया हो तथा जिनके विरूद्ध किसी प्रकार की सरकारी धनराशि देय न हो। दुकान निर्माणध्संचालन योजनान्तर्गत इच्छुक दिव्यांगजन विभागीय वेबसाइट divyangjandukan-upsdc-gov-in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन फार्म भरते समय आवेदक को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, सक्षम प्राधिकारी के स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाता, अधिवास प्रमाण पंत्र तथा आधार कार्ड की छाया प्रति को स्वप्रमाणित कर आवेदन पत्र के साथ ऑनलाइन उपरोक्त वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य है।ऑनलाइन आवेदन पत्र एवं वांछित प्रपत्रों की हार्ड कॉपी कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी,अयोध्या विकास भवन कमरा नं0–06 में किसी भी कार्य दिवस में उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर सपा महिला अध्यक्ष सरोज यादव ने किया भव्य वृक्षारोपण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। अखिलेश यादव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर दर्जनों फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर की दीर्घायु की कामना समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओ ने की।इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर केसीएल पब्लिक स्कूल के संस्थापक एवं समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव छोटे लाल यादव एवं महिला सभा जिलाध्यक्ष सरोज यादव ने भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर आम, लीची, नींबू, नीम, आंवला सहित दर्जनों फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाजवादी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा मा. अखिलेश यादव जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। सभी ने यह विश्वास व्यक्त किया कि देश की जनता उन्हें भविष्य में प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है।समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिलाध्यक्ष सरोज यादव ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी सदैव पर्यावरण संरक्षण, विकास और जनकल्याण की सोच को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहे हैं।उनके जन्मदिन की पूर्व संध्या पर पौधारोपण करना समाज और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।इस अवसर पर नीरज यादव, महादेव यादव, राजेश यादव, रिंकी,पूनम, रामप्यारे, राजकुमारी कोरी यशोमती कोरी,उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया तथा अखिलेश यादव जी को अग्रिम जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी के प्रयास का परिणाम है कि सफाई मे देश के 28वे रैंक पर है अयोध्या नगर निगम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राम मणि मिश्रा ने जब से नगर निगम अयोध्या की कमान संभाली है तब से अयोध्या शहर में साफ सफाई की व्यवस्था चाक चौबंद हो गई है रोड स्विपिंग में नगर निगम अयोध्या देश में पहले स्थान पर है वहीं पर सफाई की रैंकिंग में भी बड़ा सुधार होकर वह भी 28 वे स्थान तक लाकर बड़ा सुधार किया है यह जानकारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट आवाज संवाददाता से वार्ता में बताया हैग्राउंड लेवल पर उतरकर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राम मणि मिश्र ने 15 साल से बंद नाले की रायबरेली रोड पर स्थित बाईपास ओवर ब्रिज के नीचे की कराई सफाई पुष्पराज चौराहे पर स्थित नाले को जो 10 साल से चोक था उसे साफ करवा कर जल भराव की बड़ी समस्या को दूर कराया इसके अलावा शहर के अधिकतर मोहल्ले में स्थित बड़े नालों की नगर निगम द्वारा सफाई वर्षा के पहले अभियान चलाकर कर दी गई है इसके अलावा जहां भी जल भराव की स्थिति

बन रही है उसके निस्तारण में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं जन्म और मृत्यु के प्रमाण पत्र के बनाने में व्यापक सुधार हुआ है ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद नगर स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिदिन कार्यालय में बैठकर समय से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों को जारी करने का काम करते हैं शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाता है ।नगर स्वास्थ्य विभाग में इनके द्वारा सारे कार्य निष्पक्ष रूप से बिना किसी विलंब के कराये जा रहे हैं संज्ञान में आने वाली सभी समस्याओं का त्वरित निस्तारण इनके द्वारा किया जाता है

महापौर एंव नगर आयुक्त ने किया नाले का निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नाला सफाई कार्य का जायजा लेने निकले महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने राम की पैड़ी पर नाले में निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा फंसा दिखा तो ठिठक गए।गांधी आश्रम के सामने नाले एवं चौम्बर में ओवरफ्लो से उत्पन्न जलजमाव का तत्काल सफाई कराकर जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित कराई।मंगलवार को महापौर एवं नगर आयुक्त ने सुबह 07:30 बजे वर्षा ऋतु के दृष्टिगत जलनिकासी सुनिश्चित कराने के लिए रामपैड़ी स्थित नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया। गांधी आश्रम के सामने नाले एवं चौम्बर के ओवरफ्लो होने पर जलजमाव जैसी स्थिति न उत्पन्न हो, इसके लिए जेसीबी एवं संसाधनों से सफाई कर कर जल निकासी सुनिश्चित कराई। महापौर ने इस मौके पर समस्त नालों के आसपास निजी एवं सरकारी निर्माण कार्य से जुड़े मलबा को नाले में जाने देने के लिए निरंतर जांच करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया कि 60 फीसदी नाले नालियों की सफाई पूरी की जा चुकी है। उन्होंने बचे हुए नाम के सफाई कार्य को आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए हैं। महापौर ने एक सप्ताह के भीतर सफाई कार्य पूर्ण करने की हिदायत दी। इस दौरान सामने आया कि नालों की सफाई के बाद निकाल कचरा बगल में ही सूखने के लिए रखा हुआ है, वर्षा के दौरान पुनः नालों में जा सकता है। वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नगर आयुक्त ने नालों की तलीझाड़ सफाई एवं सिल्ट उठान व्यवस्था सुनिश्चित कराने की हिदायत दी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यदि किसी नाले की सफाई के उपरान्त दोबारा सिल्ट अथवा कचरा एकत्र होता है तो सम्बन्धित विभाग वर्षा ऋतु समाप्ति तक पुनः उक्त नाले की सफाई कराएगा। निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी अयोध्या धाम अशोक गुप्त, सहायक अभियन्ता निर्माण राजपति यादव, सहायक अभियन्ता जलकल जयकुमार, मुख्य सफाई निरीक्षक राजेश कुमार, देवी शुक्ल आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आम लदी डीसीएम की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र के सुद्धिपुर बाईपास पर सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बाबतपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार आम लदी डीसीएम की चपेट में आने से हटिया (बसकडा) निवासी 65 वर्षीय छेदी लाल प्रजापति उर्फ घुरे लाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, उनके साथ मौजूद 35 वर्षीय बेटा काशी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुबह 4 बजे रोजी–रोटी के लिए पिता–पुत्र घर से निकले थे। मृतक के भाई भैया लाल ने बताया कि छेदीलाल प्रजापति दुकानों पर मिट्टी के कुल्हड़ बेचने का काम करते थे। रोज की तरह सोमवार सुबह करीब 4:00 बजे वह अपने बेटे काशी के साथ कुल्हड़ लेकर दुकानदारों को देने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज गति डीसीएम ने उन्हें रौंद दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक छेदीलाल के दो बेटे थे। बड़े बेटे बनारसी (45 वर्ष) की तीन महीने पहले ही ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी, जिनके चार बच्चे हैं। अब इस हादसे में पिता की भी मौत हो गई और दूसरा बेटा काशी गंभीर रूप से घायल है। 10 लोगों के इस परिवार का भरण–पोषण अब कैसे होगा, इसे लेकर पत्नी दुर्गावती और दोनों बहुओं रामवती व आरती समेत पूरे परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना का मुख्य कारण सुद्धिपुर चौराहे के पास वीर नगर कॉलोनी निवासी अजीत सिंह के मकान के निर्माण के लिए मुख्य सड़क पर गिराई गई मिट्टी थी। तेज रफ्तार डीसीएम सड़क पर फैली मिट्टी पर चढ़कर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसकी चपेट में पिता–पुत्र आ गए। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने गिलट बाजार से बाबतपुर मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया, जिससे यातायात ठप हो गया। परिजनों और ग्रामीणों की मांग है कि पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर एसडीएम नितिन सिंह, एसीपी अपूर्व पांडेय समेत जनपद के कई थानों की पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए हैं। अधिकारी आक्रोशित लोगों को समझा–बुझाकर जाम खुलवाने और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटे हैं। एडीएम सिटी व एसडीएम नितिन सिंह ने परिजनों के साथ इंसाफ और जो सरकारी मुआवजे होते हैं, दिलवाने को कहकर जाम को पूरी तरह से समाप्त करवाया। 9:30 बजे के करीब जाम समाप्त कराया गया। ऐसे में लगभग तीन घंटे पूरी तरह से रोड जाम रहा।

जमीन रिकॉर्ड में फर्जीवाड़े का आरोप, पूर्व सीओ समेत 55 लोगों पर केस, पुश्तैनी जमीन कब्जाने का दावा

भदोही, (संवाददाता)। अरेरिया जिले में भूमि अभिलेखों में कथित हेरफेर और जमीन कब्जाने के प्रयास का एक बड़ा मामला सामने आया है। फुलकाहा थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी 66 वर्षीय किसान बैद्यनाथ बहरदार की शिकायत पर पुलिस ने पूर्व अंचलाधिकारी (सीओ) सहित 55 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामला सामने आने के बाद राजस्व और प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है। फुलकाहा थाना कांड संख्या 148ध्26 के तहत दर्ज प्राथमिकी में तत्कालीन सीओ शंभू प्रकाश, अंचलाधिकारी उत्तम राहुल, राजस्व कर्मचारी जितेंद्र कुमार राय, जमीउर रहमान, रेणु कुमारी समेत कुल 55 लोगों को नामजद किया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।